वरिष्ठ पत्रकार एवम् राजनितिक विश्लेषक डॉ वेदप्रताप वेदिक जी के इंदौर में ओम शांति भवन के ओमप्रकाश भाई जी सभागार, ज्ञानशिखर में जिज्ञाशुओ को मूल्यनिष्ठ समाज के लिए सकारात्मक योजनाएं के बारे में सम्बोदित् करते हुवे साथ ही राष्ट्रभाषा हिंदी के महत्व को लोगों में साझा किया

मौलिक चिन्तन और अनुसंधान ही भारत को आगे ले जाने में समर्थ हैंः वैदिक

इंदौर । दिल्ली से पधारे वरिष्ठ पत्रकार तथा राजनीतिक विश्लेषक डॉ. वेद प्रताप वेैदिक का मानना है कि कोई भी देश अपने मौलिक चिन्तन, अपनी सांस्कृतिक विरासत तथा अनुसंधान के आधार पर ही विष्व में श्रेष्ठ स्थान पाता है। भारत में पिछले सत्तर बरसों में ऐसा नहीं हुआ है। यही बजह है कि हम हर मामले में विकसित के स्थान पर विकासशील ।

श्री वैदिक ने कहा कि हमने अंग्रेजी को अपने राजकाज, न्याय, शिक्षण-प्रशिक्षण आदि माध्यम बनाया और उसका विस्तार किया। इससे हम उपलब्ध ज्ञान को तो उपलब्ध हो गये पर अपना मौलिक चिन्तन और अनुसंधान को खोते चले गये। कोई भी अनुसंधान या ज्ञान की श्रेष्ठता उसकी मौलिकता है। इस मामले में हम फिसड्डी ही बने हुए हैं।

श्री वैदिक ने कहा कि कुछ लोगों विषेषकर राजकाज के लोगों ने अपने वर्चस्व को बनाये रखने के लिए अंग्रेजी को अपने व्यवहार का माध्यम बनाया। यह एक तरह से पुराने राजकाजियों का ही विस्तार था। धीरे धीरे यह उन सब लोगों का माध्यम बनता चला जा रहा है जो वर्चस्व या कारपोरेट का हिस्सा बनना चाहते हैं। इससे देश का कोई भला होने वाला नहीं है।

In Godly Service,

BrahmaKumari Hemlata
Om shanti Bhawan,
Indore
omprakash.ind@bkivv.org